PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Jansatta, Delhi
Thursday, 16th August 2018; Page: 1
Width: 29.68 cms; Height: 24.33 cms; a3r; ID: 23.2018-08-16.8

लालकिले की प्राचीर से मोदी ने जवान, किसान और विज्ञान पर दिया जोर

दुनिया भर में बढ़ी भारत की साख और धमक : प्रधानमंत्री

जनसत्ता संवाददाता/एजंसी
नई दिल्ली, 15 अगस्त।

स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर पर झंडा फहराने के बाद अपने भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की प्रगति और लक्ष्य को राष्ट्र के सामने रखा। तिरंगे को साक्षी बताते हुए उन्होंने कहा, 'दुनिया में भारत की साख और धमक दोनों बढ़ी है।'

बढ़ते भारत की तस्वीर पेश करते हुए उन्होंने खुद को 'मक्खन पर नहीं, पत्थर पर लकीर खींचने वाला' बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि चार साल में बहुत कुछ बदला है और देश इस बदलाव को महसूस करने लगा है। लोकसभा चुनाव से पहले यह उनका आखिरी भाषण था। इसमें उन्होंने अपनी सरकार की महत्त्वाकांक्षी स्वास्थ्य बीमा योजना 'प्रधानमंत्री जन आरोग्य अभियान' के लागू होने की तिथि घोषित की। इसमें देश के 50 करोड़ लोग शामिल होंगे। 25 सितंबर को पंडित दीन दयाल उपाध्याय की जयंती पर इस योजना की शुरुआत की जाएगी।

प्रधानमंत्री ने सशस्त्र बलों में महिलाओं को स्थायी कमीशन और 2022 तक भारतीय नागरिक को अंतरिक्ष में भेजने की योजना का ऐलान किया। उन्होंने अपने भाषण में जवान, किसान और विज्ञान पर जोर दिया। सुप्रीम कोर्ट में पहली बार तीन महिला न्यायाधीशों की मौजूदगी का खासतौर पर जिक्र किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 125 करोड़ लोग एक लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने बाकी पेज 8 पर

प्रमुख लक्ष्यों का ऐलान

50 करोड़ लोगों के लिए आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना 25 सितंबर से शुरू होगी

2022 तक भारत मानव को अंतरिक्ष में भेजेगा, लड़कियों के लिए सेना में स्थायी कमीशन की घोषणा

संबंधित खबरें

सोया हाथी दौड़ने लगा है, भारत बना अरबों डालर का निवेश गंतव्य : मोदी
विस्तृत खबर पेज 10 पर

महिला सुरक्षा से कोई समझौता नहीं: प्रधानमंत्री
विस्तृत खबर पेज 8 पर
–स्वतंत्रता दिवस–पेज 4

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को नई दिल्ली में लालकिले पर झंडा फहराने के बाद बच्चों के बीच।

भाषण की प्रमुख बातें

- आयुष्मान भारत योजना की तिथि का एलान
- तीन तलाक से मुक्ति दिलाने के लिए प्रतिबद्ध, विपक्ष डाल रहा अड़ंगा
- सुप्रीम कोर्ट में पहली बार तीन महिला जज
- जम्मू-कश्मीर में लोगों को गले लगाकर बढ़ेंगे, गोली और गाली से नहीं
- भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के तहत गगनयान से 2022 तक अपना नागरिक अंतरिक्ष में भेजेंगे
- सोया हाथी दौड़ रहा है, भारत अब अरबों डॉलर की अर्थव्यवस्था
- संसद का मानसून सत्र सामाजिक न्याय को समर्पित था।
- हमने दिल्ली को पूर्वोत्तर के दरवाजे पर खड़ा कर दिया है

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Jansatta, Delhi
Thursday, 16th August 2018; Page: 1
Width: 14.99 cms; Height: 12.62 cms; a4; ID: 23.2018-08-16.8

दुनिया भर में बढ़ी भारत की साख और धमक : प्रधानमंत्री

पेज 1 का बाकी

कहा, 'हर कोई आज भारत की 'रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म' नीति की तारीफ कर रहा है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले दो साल में पांच करोड़ लोगों को गरीबी से निकाला गया है। पिछली यूपीए सरकार के दौरान भारत की छवि को नकारात्मक बताते हुए कहा कि तब अर्थव्यवस्था को जोखिम भरी और लाल फीताशाही जैसी शब्दावली का इस्तेमाल किया जाता था। अब भारत को अरबों डॉलर वाली अर्थव्यवस्था माना जा रहा है।

उन्होंने कहा कि 2013 की रफ्तार से चलने पर बिजली पहुंचाने में एक-दो दशक और लग जाते, गरीबों को एलपीजी चूल्हा उपलब्ध कराने में 100 साल भी कम पड़ जाते। प्रधानमंत्री ने कहा, 'सरकार हर भारतीय को आवास, बिजली कनेक्शन, जल, शौचालय, किफायती स्वास्थ्य सेवा और बीमा कवर उपलब्ध कराने में जुटी है।' उन्होंने कहा कि आज देश दोगुनी रफ्तार से हाइवे बना रहा है, चार गुना अधिक नए मकान बना रहा है। देश रेकॉर्ड अन्न उत्पादन के साथ रेकॉर्ड मोबाइल बना रहा है। रेकॉर्ड ट्रैक्टर की बिक्री हो रही है। आजादी के बाद सर्वाधिक हवाई जहाज खरीदारी हो रही है। नए आइआइटी, नए आइआइएम, नए एम्स बन रहे हैं।

लाल बंधेज की किनारी वाला केसरिया और लाल रंग का राजस्थानी साफा पहने प्रधानमंत्री ने तमिल राष्ट्रवादी कवि सुब्रह्मण्यम भारती का उल्लेख करते हुए तमिल में कहा, 'भारत विश्व को समस्याओं से छुटकारा पाने में मदद करेगा।'

दर्शकों की पहली पंक्ति में मनमोहन और आडवाणी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लालकिले की प्राचीर से संबोधन के दौरान पहली पंक्ति में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और एचडी देवगौड़ा, लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, प्रधान न्यायाधीश दीपक मिश्र, कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी, गृह मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी और कुछ अन्य वरिष्ठ नेता और मंत्री नजर आए। सेना के शीर्ष अधिकारी और कई देशों के राजनयिक भी दर्शक दीर्घा में मौजूद रहे।